शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 7, अंक : 339 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, सोमवार
15 मई, 2023
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच मनाया रविशंकर का जन्मदिन

बांदा। आर्ट ऑफ लिविंग की ओर से श्री श्री रविशंकर महाराज का 67वां जन्मोत्सव शहर के अलग-अलग स्थानों पर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। साधकों ने केक काटा और महाप्रसाद का भी आयोजन किया। इसके साथ ही रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया जिसमें तमाम लोगों ने जरूरतमंदों के लिए रक्तदान भी किया। शहर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में श्री श्री रविशंकर का 67वां जन्मदिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। गुरू पूजा के बाद हार्पर क्लब में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें आर्ट ऑफ लिविंग के सदस्यों ने शानदार तरीके से नृत्य पेश किए। लखनऊ से आई नीर शर्मा, मानसी मिश्रा, प्रियंका भारद्वाज, धनंजय सिंह व प्रवी यादव ने शानदार तरीके से नारायण नारायण, जय-जय गोविंद हरे, राधे-राधे कहके आयेंगे बिहारी व सागर में एक लहर उठी तेरे नाम जैसे भजन पेश किए जिस पर वहां मौजूद साधक झूम उठे। कार्यक्रम के अंत में केक काटने के साथ महाप्रसाद का आयोजन किया गया। नीर शर्मा ने वेद पाठशाला की जानकारी दी। इसके साथ ही शिविर मे तमाम साधकों ने रक्तदान किया ताकि यह रक्त जरूरतमंदों के काम आ सके। इस मौके पर आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक रामकिशोर शिवहरे, विजय ओमर, नीता ओमर, शमा सिंह, सफ्लता सिंह, डा0 दीपेंद्र मिश्रा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 309 कानपुर, सोमवार 15 मई 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

aswaroop.in

आरसीबी ने जीती रॉयल जंग, राजस्थान को 112 रन से रौंदा 10

मक्का फसल में कीट प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण : डॉ जगदीश किशोर

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉण्बिजेन्द्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि खरीफ मक्का एक उपयोगी फसल है। इसमें कार्बोहाइड्रेट 70: प्रोटीन 10: पाया जाता है जिसके कारण इसका उपयोग मनुष्यों के साथ.साथ पशुओं के आहार के रूप में भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर औद्योगिक दृष्टि से बात करें तो इसका प्रयोग मुर्गी दाना के रूप में भी किया जाता है। उन्होंने कहा मई माह में मक्का की फसल का प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है उन्होंने बताया कि इसमें तना छेदक कीटएतना व पत्तियों तथा भुट्टो को नुकसान पहुंचाता है। इनके नियंत्रण के लिए नीम एवं मदार की पत्तियों का 50उस रस लेकर 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। इसके अतिरिक्त इसके नियंत्रण के लिए क्लोरपायरीफॉस 20 प्रतिशत 1ण्5 लीटर दवा को 500 से 600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। इसी तरह से मक्का में पत्ती लपेटक कीट की भी रोकथाम करते हैं। डॉ किशोर ने बताया कि मक्का में सुंडी व टिड्डियों के प्रबंधन हेतु कार्बारिल 50 डब्ल्यूपी प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। अथवा मैलाथियान 5: धूल 10 से 15 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुरकाव कर दें। उन्होंने बताया कि जायद मक्का की फसल को यदि कीड़ों से रोकथाम कर लिया तो अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है।

वर्ष-17 अंक-131 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, सोमवार 15 मई 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

RNI N.UPHIN/2007/27090

मक्का फसल में कीट प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण :डॉ. जगदीश किशोर

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ.बिजेन्द्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि खरीफ मक्का एक उपयोगी फसल है। इसमें कार्बोहाइड्रेट 70 प्रतिशत प्रोटीन 10 प्रतिशत पाया जाता है जिसके कारण इसका उपयोग मनुष्यों के साथ-साथ पशुओं के आहार के रूप में भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर औद्योगिक दृष्टि से बात करें तो इसका प्रयोग मुर्गी दाना के रूप में भी किया जाता है। उन्होंने कहा मई माह में मक्का की फसल का प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है उन्होंने बताया कि इसमें तना छेदक कीट,तना व पत्तियों तथा भुट्टो को नुकसान पहुंचाता है। इसके अतिरिक्त इसके नियंत्रण के लिए क्लोरपायरीफॉस 20 प्रतिशत 1.5 लीटर दवा को 500 से 600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। इसी तरह से मक्का में पत्ती लपेटक कीट की भी रोकथाम करते हैं। डॉ किशोर ने बताया कि मक्का में सुंडी व टिड्डियों के प्रबंधन हेतु कार्बारिल 50 डब्ल्यूपी प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें। अथवा मैलाथियान 5न्न धूल 10 से 15 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुरकाव कर दें। उन्होंने बताया कि जायद मक्का की फसल को यदि कीड़ों से रोकथाम कर लिया तो अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है।

मक्का फसल में कीट प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण

कानपुर, 14 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ.बिजेन्द्र सिंह की ओर से जारी निर्देश के क्रम में थरियांव स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि खरीफ मक्का एक उपयोगी फसल है। इसमें कार्बोहाइड्रेट 70 प्रतिशत प्रोटीन 10 प्रतिशत पाया जाता है जिसके कारण इसका उपयोग मनुष्यों के साथ-साथ पशुओं के आहार के रूप में भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि अगर औद्योगिक दृष्टि से बात करें तो इसका प्रयोग मुर्गी दाना के रूप में भी किया जाता है। उन्होंने कहा मई माह में मक्का की फसल का प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण है उन्होंने बताया कि इसमें तना छेदक कीट,तना व पत्तियों तथा भुट्टो को नुकसान पहुंचाता है। इनके नियंत्रण के लिए नीम एवं मदार की पत्तियों का 50 रस लेकर 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। इसके अतिरिक्त इसके नियंत्रण के लिए क्लोरपायरीफॉस 20 प्रतिशत 1.5 लीटर दवा को 500 से 600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। इसी तरह से मक्का में पत्ती लपेटक कीट की भी रोकथाम करते हैं। डॉ किशोर ने बताया कि मक्का में सुंडी व टिड्डियों के प्रबंधन हेतु कार्बारिल 50 डब्ल्यूपी प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर दें अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धूल 10 से 15 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुरकाव कर दें। उन्होंने बताया कि जायद मक्का की फसल को यदि कीड़ों से रोकथाम कर लिया तो अज्छा उत्पादन प्राप्त होता है।